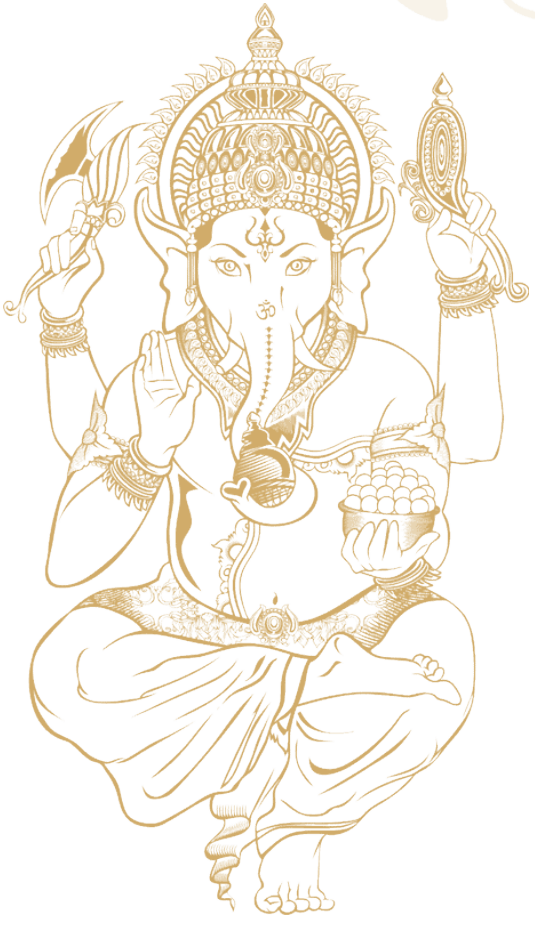

Devanand

15 May 1980

07:00 PM

Bharatpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121809904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/05/1980**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	33:39:41 घटी
स्थान	**Bharatpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:13:00 उत्तर
रेखांश	77:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:39:56 घंटे
वेलान्तर	00:03:42 घंटे
साम्पातिक काल	10:13:39 घंटे
सूर्योदय	05:32:07 घंटे
सूर्यास्त	19:01:05 घंटे
दिनमान	13:28:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:16:31 वृष
लग्न के अंश	01:53:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:53:34	309:09:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			वृष	01:16:31	00:57:52	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	15:41:32	14:21:45	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	10:01:01	00:21:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	03:54:32	02:11:07	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	07:13:00	00:03:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	07:24:56	00:19:46	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	26:39:18	00:00:43	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	01:01:33	00:11:06	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	01:01:33	00:11:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		तुला	29:55:24	00:02:31	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	28:25:51	00:01:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो	व		कन्या	25:53:59	00:01:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			सिंह	07:48:24	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:47

लग्न-चलित

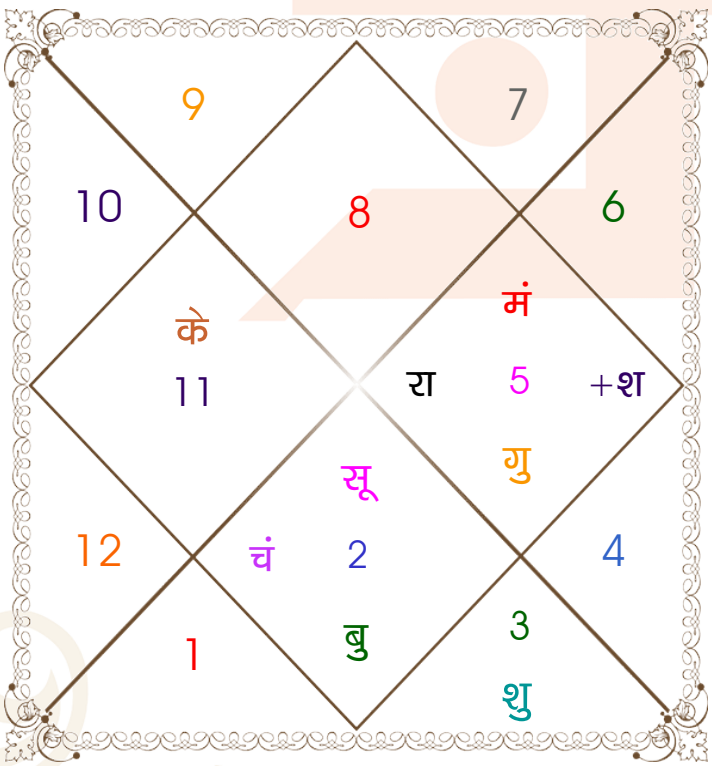

चन्द्र कुंडली

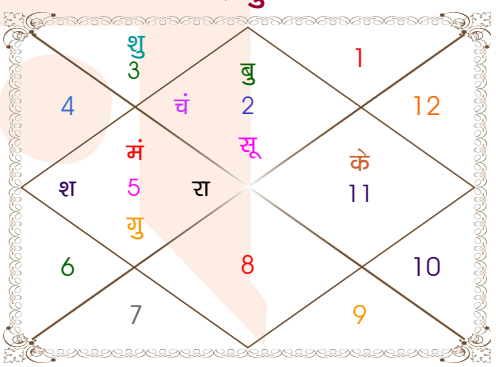

नवमांश कुंडली

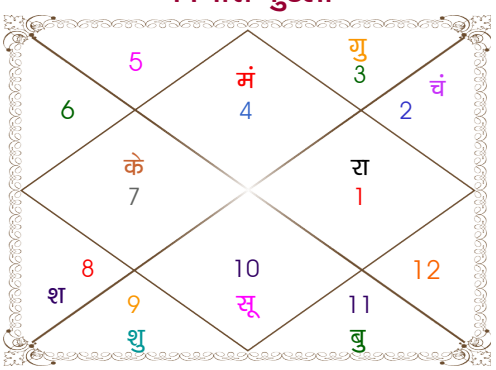

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 8 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/05/1980		06/02/1986		06/02/1993		07/02/2011		07/02/2027	
06/02/1986		06/02/1993		07/02/2011		07/02/2027		06/02/2046	
	00/00/0000	मंगल	06/07/1986	राहु	20/10/1995	गुरु	27/03/2013	शनि	10/02/2030
	00/00/0000	राहु	24/07/1987	गुरु	15/03/1998	शनि	08/10/2015	बुध	20/10/2032
	00/00/0000	गुरु	29/06/1988	शनि	19/01/2001	बुध	13/01/2018	केतु	28/11/2033
	15/05/1980	शनि	08/08/1989	बुध	08/08/2003	केतु	20/12/2018	शुक्र	28/01/2037
शनि	08/12/1981	बुध	05/08/1990	केतु	26/08/2004	शुक्र	20/08/2021	सूर्य	10/01/2038
बुध	09/05/1983	केतु	01/01/1991	शुक्र	27/08/2007	सूर्य	08/06/2022	चंद्र	11/08/2039
केतु	08/12/1983	शुक्र	02/03/1992	सूर्य	20/07/2008	चंद्र	08/10/2023	मंगल	19/09/2040
शुक्र	08/08/1985	सूर्य	08/07/1992	चंद्र	19/01/2010	मंगल	13/09/2024	राहु	27/07/2043
सूर्य	06/02/1986	चंद्र	06/02/1993	मंगल	07/02/2011	राहु	07/02/2027	गुरु	06/02/2046

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/02/2046		07/02/2063		06/02/2070		06/02/2090		07/02/2096	
07/02/2063		06/02/2070		06/02/2090		07/02/2096		00/00/0000	
बुध	05/07/2048	केतु	06/07/2063	शुक्र	08/06/2073	सूर्य	27/05/2090	चंद्र	07/12/2096
केतु	02/07/2049	शुक्र	04/09/2064	सूर्य	08/06/2074	चंद्र	26/11/2090	मंगल	08/07/2097
शुक्र	02/05/2052	सूर्य	10/01/2065	चंद्र	07/02/2076	मंगल	03/04/2091	राहु	07/01/2099
सूर्य	09/03/2053	चंद्र	11/08/2065	मंगल	08/04/2077	राहु	25/02/2092	गुरु	09/05/2100
चंद्र	08/08/2054	मंगल	07/01/2066	राहु	08/04/2080	गुरु	13/12/2092	शनि	16/05/2100
मंगल	05/08/2055	राहु	26/01/2067	गुरु	08/12/2082	शनि	25/11/2093		00/00/0000
राहु	22/02/2058	गुरु	01/01/2068	शनि	06/02/2086	बुध	02/10/2094		00/00/0000
गुरु	30/05/2060	शनि	09/02/2069	बुध	07/12/2088	केतु	07/02/2095		00/00/0000
शनि	07/02/2063	बुध	06/02/2070	केतु	06/02/2090	शुक्र	07/02/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 9 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।